e-assuring INDIA

India's №1 E-Commerce Govt. Company

50वीं वार्षिक रिपोर्ट
50th Annual Report
2014-15

स्वर्ण जयंती वर्ष
50 एमएसटीसी
1964 - 2014

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

एम एस टी सी
MSTC

MSTC
LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

GOLDEN YEARS
50 MSTC
1964 - 2014

ई-गवर्नेंस के जरिए ई-कॉमर्स, अर्थनीति एवं पर्यावरण को प्रोत्साहन

Promoting e-commerce, economy & environment through e-governance

माननीय इस्पात एवं खदान मंत्री
श्री नरेन्द्र सिंह तोमर
Hon'ble Minister of Steel and Mines
Shri Narendra Singh Tomar

माननीय इस्पात राज्यमंत्री
श्री विष्णु देव साई
Hon'ble Minister of State for Steel
Shri Vishnu Deo Sai

सचिव (इस्पात) **श्री जी मोहन कुमार**
(दिनांक 31.08.2014 तक)
Secretary (Steel) **Shri G Mohan Kumar**
(Upto 31.08.2014)

सचिव (इस्पात) **श्री राकेश सिंह**
(दिनांक 30.09.2015 तक)
Secretary (Steel) **Shri Rakesh Singh**
(Upto 30.09.2015)

सचिव (इस्पात) **डॉ. अनुप के. पुजारी**
(दिनांक 01.10.2015 से)
Secretary (Steel) **Dr. Anup K Pujari**
(From 01.10.2015)

श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, श्री सुनील बरथवाल, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय एवं श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त) एमएसटीसी की उपस्थिति में माननीय इस्पात एवं खदान मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर को लाभांश चेक प्रस्तुत किया जा रहा है

Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC presenting dividend cheque to Hon'ble Minister of Steel and Mines Shri Narendra Singh Tomar in presence of Shri Sunil Barathwal, Joint Secretary, Mnistry of Steel and Shri A.K. Basu, Director (Finance) MSTC

50 वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report

विषय सूची
Contents

निदेशक मंडल / Board of Directors	2
दृष्टि एवं ध्येय / Vision & Mission	4
अध्यक्षीय भाषण / Chairman's Statement	6
निदेशक मंडल की रिपोर्ट / Directors' Report	8
लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	88
कैग रिपोर्ट / CAG Report	129
तुलन पत्र / Balance Sheet	188
लाभ-हानि खाता / Profit & Loss Accounts	189
वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes to Financial Statements	190
नगद प्रवाह ब्यौरा / Cash Flow Statement	215
समेकित वार्षिक लेखा / Consolidated Annual Accounts	217

निदेशक मंडल / Board of Directors

श्री एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
Shri S. K. Tripathi
Chairman cum Managing Director

श्री लोकेश चंद्र
आई.ए.एस.
(दिनांक 23.10.2014 तक)
Shri Lokesh Chandra, I.A.S.
(Upto 23.10.2014)

श्रीमती उर्विला खाती
(दिनांक 24.10.2014 से 21.12.2014 तक)
Smt. Urvilla Khati
(from 24.10.2014 to 21.12.2014)

श्री सुनील बरथवाल
आई.ए.एस.
(दिनांक 22.12.2014 से 13.08.2015 तक)
Shri Sunil Barathwal, I.A.S.
(from 22.12.2014 to 13.08.2015)

श्री एन. सी. झा
Shri N. C. Jha

श्री सूरज भान
Shri Suraj Bhan

श्री ए. के. बसु
Shri A. K. Basu

श्री बी. बी. सिंह
Shri B. B. Singh

श्री ए. के. गोयल
Shri A. K. Goyal

श्रीमती मॉली तिवारी
Smt. Molly Tiwari

प्रबंधन दल / Management Team

श्री एस. अम्बष्ठ
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri S. Ambastha
Chief Vigilance Officer

श्री एस.एस.चौधुरी
सीजीएम (एचआरएम)
Shri S. S. Chaudhuri
CGM (HRM)

श्री तापस बसु
जीएम (सीपी)
Shri Tapas Basu
GM (CP)

श्री आर.के.चौधुरी
जीएम (एफ एण्ड ए)
Shri R.K.Chaudhuri
GM (F&A)

श्री सी.आर.गिरि
जीएम (सिस्टम्स)
Shri C. R. Giri
GM (Systems)

श्रीमती एस.आर्या
जीएम (मार्केटिंग)
Smt. S. Arya
GM (Marketing)

श्री डी पी बहुगुणा
जीएम (एनआरओ)
Shri D. P. Bahuguna
GM (NRO)

श्री सुब्रत कुमार राय
जीएम (कंपनी सचिव)
Shri Subrata Kumar Ray
GM & Company Secretary

श्री एम.पी.श्रीवास्तव
जीएम (सीसी)
Shri M. P. Shrivastava
GM (CC)

लेखा परीक्षक
राय एंड कं.
सनदी लेखापाल

Auditors
Ray & Co.
Chartered Accountants

बैंकर्स

एचडीएफसी बैंक
बैंक ऑफ इंडिया
इंडियन बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
भारतीय स्टेट बैंक
पंजाब नेशनल बैंक
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया

Bankers

HDFC Bank
Bank of India
Indian Bank
Union Bank of India
State Bank of India
Punjab National Bank
United Bank of India

रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर (अंतरण) एजेंट:
सी बी मैनेजमेंट सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड
पी-22, बोंडेल रोड, कोलकाता-700 019

Registrar and Transfer Agents :
C B Management Services (P) Ltd.
P-22, Bondel Road, Kolkata - 700 019

सचिवालय लेखा परीक्षक
सौम्य ज्योति सील, अभ्यासरत कंपनी सचिव

Secretarial Auditors
Saumayo Jyoti Seal, Practising Company Secretary

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय
225-सी, आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड,
कोलकाता-700 020
दूरभाष : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627
फैक्स : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road,
Kolkata - 700 020
Phone : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627
Fax : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
e-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

दृष्टि एवं ध्येय

दृष्टिकोण

ट्रेडिंग व्यवसाय में विशेष रूप से इस्पात उद्योग के क्षेत्र में प्रभावी बी2बी संस्थान बन कर उभरना

मिशन

एमएसटीसी जिन पदार्थों का व्यापार करता है उनके लिए बाजार को संगठित एवं विस्तार देने की कोशिश करेगा, जहां तक संभव होगा ई-कॉमर्स के माध्यम से पारदर्शिता के साथ व्यवसाय करेगा।

लक्ष्य

(क) देशी और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्रोतों से इस्पात उद्योग के लिए थोक कच्चा माल पर विशेष बल के साथ एक विविधीकृत व्यापार संस्था के रूप में उभरना और इस संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार घरानों के साथ क्रमिक रूप से संयुक्त रूप से गंठबंधन बनाना, भंडारण पद्धति एवं लॉजिस्टिक का विकास करना।

(ख) सरकार और निजी दोनों क्षेत्रों के संगठनों के स्क्रैप और उद्भूत गौण माल, भंडार जो सेवा योग्य न हो इत्यादि के निपटारा के लिए योजना बनाना और आयोजित करना तथा ई-नीलामी को लोकप्रिय बनाना।

(ग) उपरोक्त क्षेत्रों के साथ-साथ प्राइम प्रोडक्ट के ट्रांजसक्शनल विक्रय में ई-कॉमर्स/ई-ट्रांजक्शन प्रोत्साहित करना।

(घ) लगाई गई पूंजी पर इष्टतम आय और कुल लागत पर 15 प्रतिशत आय प्राप्त करने के लिए उपरोक्त कार्य करना।

(ङ) ग्राहकों, प्रिंसिपलों और अन्य व्यापार प्रतिष्ठानों को त्वरित और दक्ष संव्यवहार देकर ग्राहक की संतुष्टि सुनिश्चित करना।

(च) एक सक्षम, प्रतिबद्ध और अभिप्रेरित कार्यस्थल का विकास करना और कायम रखना।

(छ) उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संयुक्त उद्यम को प्रोत्साहित करना है। यह संयुक्त उद्यम माईनिंग, लॉजस्टिक, वेयरहाऊसिंग, बिक्री की वस्तुओं में मूल्य संयोजन के क्षेत्र में विशिष्ट डोमेन एक्सपर्ट के साथ किया जाना है।

Vision & Mission

VISION

To emerge as a dominant B2B player in the area of trading with particular emphasis on Steel Industry.

MISSION

MSTC will endeavour to organize and expand a market for various commodities handled by it making transactions as transparent as possible through extensive use of e-commerce.

OBJECTIVES

a) To emerge as a diversified trading house with particular emphasis on bulk raw materials for steel industry sourced both indigenously and internationally and towards this end gradually build up tie-ups with international trading houses, develop warehousing system and logistics.

b) To plan and organise disposal of scrap and secondary arisings, unserviceable stores, etc. of organisations, both in the public sector and private sector and to popularise e-auction.

c) To promote e-commerce / e-transactions in above areas and also in transactional sale of prime products.

d) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the net worth.

e) To ensure customers' satisfaction by providing prompt and efficient dealing with customers, principals and other business associates.

f) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.

g) To achieve the aforesaid objectives, promote joint ventures with selected domain experts in the area of mining, logistics, warehousing, value addition to the merchandise etc.

एमएसटीसी आज

एमएसटीसी ने 9 सितम्बर 2014 को अपने अस्तित्व के 50 वर्ष पूरे कर लिए एवं अपने 51वें वर्ष पर उत्तरोत्तर वृद्धि की लंबी यात्रा के सफर के उपरान्त अपनी स्थिति को मजबूत कर दिया है। एमएसटीसी ने अपना विकास प्रारम्भ से छोटी सी सरणीबद्ध ट्रेडिंग कम्पनी से एक विशाल बी 2 बी सेक्टर क रूप में अपनी पहचान बना लिया है।

एमएसटीसी आज विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, केंद्र सरकार/राज्य एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों को नवीन दृष्टिकोण के कच्चे माल के समर्थन और ई–कॉमर्स सेवाओं के लिए इस्पात और पेट्रो रसायन क्षेत्र को अपनी सेवाएं दे रही है। कोयला ब्लॉक का सफलतापूर्वक ई–ऑक्शन ने एमएसटीसी को आज कल की तुलना में और भी बेहतर स्थिति में खड़ा किया है।

एमएसटीसी आज इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन श्रेणी–ख मिनी रत्न की सार्वजनिक क्षेत्र की अनुसूची 'बी' कम्पनी है।

1964 में लघु ट्रेडिंग कम्पनी के रूप में महज रु. 6 लाख रुपये की छोटी–सी पूंजी से हुआ था, विगत 51 वर्षों में यह एक वृहत बहु उत्पाद विविध कम्पनी के रूप में विकास किया है। एमएसटीसी ने 51 वर्ष की अपनी यात्रा में तीन बाद बोनस शेयर जारी किया है। इसने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर के अलावा सरकारी कोष में पर्याप्त लाभांश का भुगतान किया है।

एमएसटीसी कच्चे माल की औद्योगिक उपयोग के लिए स्क्रैप का पुनश्चक्रण में सुविधा प्रदान करता है जिससे लागत खर्च में कमी आती है, ऊर्जा तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है और अंततः पर्यावरण की रक्षा होती है इस तरह सरकार के 'स्वच्छ भारत' मिशन में सहयोग कर रहे हैं।

एमएसटीसी पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करने, गरीबों एवं समाज के वंचित श्रेणियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

एक लंबी छलांग लगाती हुई एमएसटीसी संयुक्त उद्यम के जरिए श्रेडिंग संयंत्र की स्थापना की प्रक्रिया प्रारम्भ कर चुकी है, जो भारत में अपने आप में प्रथम होगा और विशेष इस्पात के पुनश्चक्रण के मामले में काफी दूर तक जाने साथ इस तरह की सामग्रियों के आयात का प्रतिस्थापन का विकल्प बनेगा।

एमएसटीसी आज अपने 51वें वर्ष के अवसर पर कंपनी के प्रति विश्वास जताने के लिए देश के नागरिकों, सरकार, शेयरधारकों के प्रति आभार व्यक्त करती है। 51वें वर्ष पर हम नैतिक व्यापार सिद्धांतों, सुशासन, मजबूत प्रबंधन क्षमताओं तथा सामाजिक उत्थान, वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता तथा ईमानदारी के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः दोहरती है।

MSTC Today

MSTC has completed 50 years of its existence on 9th September 2014 and on its 51st year has consolidated its position after traversing a long journey of rise and rise. MSTC has achieved its growth from being a small canalized trading company into e-commerce giant in B2B sector.

MSTC today is catering its services to steel and petrochemical sector for raw material support and e-commerce services with innovated approach to various PSUs, Central Govt./State and private sector companies. Successful e-auction of coal block is another feather in MSTC's cap and MSTC today stands taller than yesterday.

MSTC today is category-I Mini Ratna Public Sector schedule 'B' company under the administrative control at Ministry of Steel, Govt. of India.

Incorporated in 1964 as small trading company with a meagre capital of Rs 6 lakhs, in last 51 years it has grown into a large multi product diversified company. Within the journey of 51 years, MSTC has issued bonus shares thrice. It has paid substantial dividends to the exchequer apart from direct and indirect tax.

MSTC facilitates in recycling of scrap for industrial use of raw materials and thereby reduces input cost, conserve energy and natural resources and ultimately protects the environment and, therefore, contributing to "Swachh Bharat" Mission of the Government.

MSTC is committed to protection of environment, natural resources, uplift of the poor and under privileged class under its CSR and Sustainability Development initiatives.

Taking a leap forward MSTC is poised for setting up shredding plant through JV route will be one of its own kind in India and go a long way in recycling special steels besides substituting imports for such materials.

MSTC today on its 51st year acknowledges the gratitude to the people of the country, the Govt., the stakeholders for reposing faith in the company. On the 51st year we confirm our commitment to ethical business principles, good governance, strong management capabilities and social uplift, transparency and fairness in all kind of transactions.

अध्यक्षीय संबोधन | CHAIRMAN'S STATEMENT

प्रिय शेयरधारकगण,

एक बार फिर, मैं अपकी कम्पनी की 50वीं वार्षिक आम सभा की अध्यक्षता करते हुए स्वयं को विशेषाधिकृत महसूस करता हूँ और आप सभी का वार्षिक सभा के इस विशेष अवसर पर स्वागत करता हूँ।

जैसा कि आपलोगों ने बोर्ड की रिपोर्ट एवं वित्तीय विवरण से महसूस किया होगा कि आपकी कम्पनी ने वर्ष 2014-15 के दौरान बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया है। पीबीटी ₹ 13,147 लाख एवं पीएटी ₹ 9,099 लाख पर स्थिर है। आपके निदेशकों नें शेयर के अंकित मूल्य का 207 प्रतिशत लाभांश की सिफारिश की है।

बड़े स्तर पर, भारतीय अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है और इस्ताप उद्योग भी नकारात्मक था जिसका एमएसटीसी के वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। जैसा कि मैंने विगत वार्षिक आम सभा में उल्लेख किया था कि हमलोगों ने भारत में इस्पात उद्योगों के लिए कच्चे सामग्रियों की सोर्सिंग के कारोबार हेतु अपने जोखिम को बहुत हद तक कम किया है।

आपकी कम्पनी ई-कामर्स में स्टैण्डएलोन बी2बी सेवा प्रदाता के रूप में अपना नेतृत्व बनाए रखा है। अब यह महसूस किया गया है कि बड़े संगठन प्रणाली में स्वच्छता एवं पारदर्शिता के साथ सेवा की गुणवत्ता को तरजीह दे रहे हैं। यही कारण है कि एमएसटीसी ई-कामर्स सेवा प्रदाता के रूप में संभावित विकल्प हो रही है जब कि कतिपय छोटे सेवा प्रदाता जो मामूली सेवा प्रभार पर कार्य को लेने के लिए तैयार है। एमएसटीसी ज्यादातर सरकारी विभागों से नामांकन के आधार पर एसाइनमेंट पाने में सफल रही। जैसा कि आप को अवगत होगा कि एमएसटीसी ने डीएलोकेटेड कोयला ब्लॉक्स का ई-ऑक्शन संचालित किया था जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय कोष को वृहत लाभ आर्जित हुआ। मेजबान राज्य ₹ 2.35 लाख करोड़ का राजस्व 30 वर्षों में वसूल करेगा। इसके अतिरिक्त आंध्र में रेड

Dear Shareholders,

Once again, I feel myself privileged to preside over the 50th Annual General Meeting of your Company and welcome each of you on this special occasion of annual meeting.

As you have observed from the Board's Report and Financial Statements, your company has done extremely well during the year 2014-15. The PBT stands at ₹ 13,147 Lakh and PAT at ₹ 9,099 Lakh. Your directors have recommended a dividend of 207% of the face value of shares.

At macro level, Indian economy has not performed well and the steel industry was even negative which impacted MSTC's financials adversely. As I mentioned in my last AGM, we have drastically reduced our exposure to the business of raw material sourcing to steel industries in India.

Your company maintained its leadership as a standalone B2B service provider in e-Commerce. It is now felt that major organisations are preferring quality of service along with fairness and transparency in the system. This has resulted in MSTC being potential choice as e-commerce service provider than some of the small players who are ready to take up jobs at miniscule service charge. MSTC was also successful in getting assignment on nomination basis from most of the Govt. Departments. You may be aware that MSTC conducted the e-auction of deallocated coal blocks which resulted into huge profit to the national fund. Revenue of ₹ 2.35 Lakh Crore for host states will be realized in 30 years. In addition e-auction of Red Sander in Andhra and e-auction of timber in Kerala have been huge success.

सैंडर के ई-ऑक्शन एवं केरल में टिम्बर के ई-ऑक्शन में भी बड़ी सफलता मिली है।

विगत वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2013-14, हमलोगों ने पर्याप्त परिचालन लाभ अर्जित किया है। तथापि, हमे वर्ष 2008-09 में किये गये स्वर्ण के निर्यात से बिक्री प्रक्रिया की गैर वसूली के कारण बकाया राशि के बाबत बड़ी राशि प्रदान करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जहाँ हमने विगत वर्ष हानि दर्ज किया था आपके पूर्ण समर्थन ने एमएसटीसी को भावनात्मक रूप से सुदृढ़ कम्पनी बना दिया है। कम्पनी के प्रबन्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए पुरस्कार के रूप में निदेशक मंडल ने प्रत्येक शेयर धारकों हेतु बोनस शेयर 1:1 की दर बोनस शेयर आवंटित करने का प्रस्ताव रखा है, अतिरिक्त शेयर शेयरधारकों को आवंटित किया जाएगा। प्रारम्भ से यह तीसरी बार है कि एमएसटीसी बोनस शेयर जारी कर रही है और अंतिम इश्यू मात्र वित्तीय वर्ष 2012-13 में जारी किया गया था।

आपकी कम्पनी ने विगत वर्ष के दौरान मानव दिनों का कोई रिकार्ड नहीं रखा है एवं औद्योगिक संबंध अत्यंत सौहार्दपूर्ण बने हुए हैं। हम सर्वश्रेष्ठ निगमित अभिशासन का अनुसरण करते हैं एवं डीपीई द्वारा जारी स्वयं आकलन मानदंड के आधार पर निगमित अभिशासन में "उत्कृष्ट" की ग्रेडिंग प्राप्त किया है।

मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि हमलोग व्यवसाय करने के लिए अत्यधिक पारदर्शी मार्ग से हरसंभव प्रयास कर रहे हैं ताकि आप एवं अन्य स्टेकधारकों का मूल्य बना रहे, वर्षों से हमारे द्वारा अर्जित संपत्ति की सुरक्षा हो सके तथा वर्ष दर वर्ष कम्पनी की वित्तीय स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाये रखा जा सके।

इस कंपनी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं हमारे कार्यकारी निदेशकों तथा कर्मचारियों पर विश्वास रखने के लिए मैं आप सभी का शुक्रगुजार हूँ। मैं भारत सरकार, हमारे ग्राहकों तथा बैंकरों, जो हमारे मूल्यवान हिस्सेदार हैं, द्वारा दिए गये समर्थन के प्रति उनका भी आभार व्यक्त करता हूँ। कंपनी की ओर से मैं वादा करता हूँ कि मजबूत तरीके से कंपनी के विकास के लिए हमलोग समुचित कमद उठाने का क्रम जारी रखेंगे।

दुर्गापूजा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

धन्यवाद

जयहिंद!

कोलकाता

एस.के. त्रिपाठी
14 सितम्बर, 2015
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

Last year i.e. FY 2013-14, we earned a substantial operational profit. However we were compelled to provide a substantial amount against an outstanding due to non recovery of sale proceeds from export of gold, made in the year 2008-09.

Your unstinted support in the last year where we recorded loss has made MSTC an emotionally stronger company. As a reward to your commitment to the company's management, Board of Directors propose to allot bonus shares @ of 1:1, i.e. for each share held, an additional share shall be allotted to the shareholders. This is the third time since inception that MSTC is issuing bonus share and the last issue was only in FY 2012-13.

Your company has no record of man days lost during the year and industrial relations remained extremely cordial. We follow best Corporate Governance practices and have achieved "excellent" grading in Corporate Governance on the basis of self assessment criteria issued by DPE.

I can assure you that we are doing everything possible to do business in most transparent way, create values for you and other stakeholders, protect the wealth created by us over the years and keep the company in sound financial health year after year.

I acknowledge humbly your trust reposed on me as CMD and CEO of this company and our functional directors and the employees. I also acknowledge the support of Govt. of India, our customers and bankers who are our valuable stakeholders. I promise you, on behalf of the company that we would continue to take appropriate efforts to keep the company going and growing on sustained basis.

Best wishes for Durga Puja and Deepavali.

Thanking you,

Jai Hind!

Kolkata

S. K. Tripathi
14th September, 2015
Chairman cum Managing Director

बोर्ड की रिपोर्ट

सेवा में,

शेयरधारकगण,

एमएसटीसी लिमिटेड

आपके निदेशक मंडल को 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के कारोबार और प्रचालन से संबंधित 50वीं वार्षिक रिपोर्ट और उसके साथ लेखा परीक्षित लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि **रु. 19,95,312 लाख** है। पिछले वर्ष 2013-14 में **रु. 18,43,318** लाख थी। वर्ष 2013-14 के समानांतर वर्ष 2014-15 का ब्रेक अप नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)*	
	2014-15	2013-14
स्क्रैप और मैंगनीज ओर आदि की बिक्री	7,28,350	5,63,282
कोयले की बिक्री	6,13,644	5,71,612
आयरन ओर	6,53,318	7,08,424
कुल (क)	19,95,312	18,43,318

ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)*	
	2014-15	2013-14
ई-प्रोक्योरमेंट (ख)	3,02,422	96,207
कुल (क+ख)	22,97,734	19,39,525

BOARD'S REPORT

To
The Shareholders
MSTC Limited

Directors are pleased to present the 50th Annual Report on the business and operation of the Company together with audited accounts and auditors report for the year ended 31st March 2015.

A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at ₹ 19,95,312 Lakh against ₹ 18,43,318 Lakh in 2013-14. Break-up for the year 2014-15 vis-à-vis 2013-14 is as follows:

Business Segment	*Volume of Business (₹ in Lakh)*	
	2014-15	2013-14
Sale of Scrap & Manganese Ore etc.	7,28,350	5,63,282
Sale of Coal	6,13,644	5,71,612
Iron ore	6,53,318	7,08,424
Total (A) :	**19,95,312**	**18,43,318**

B) e- PROCUREMENT

Business Segment	*Volume of Business (₹ in Lakh)*	
	2014-15	2013-14
e-Procurement (B)	3,02,422	96,207
Total (A+B)	**22,97,734**	**19,39,525**

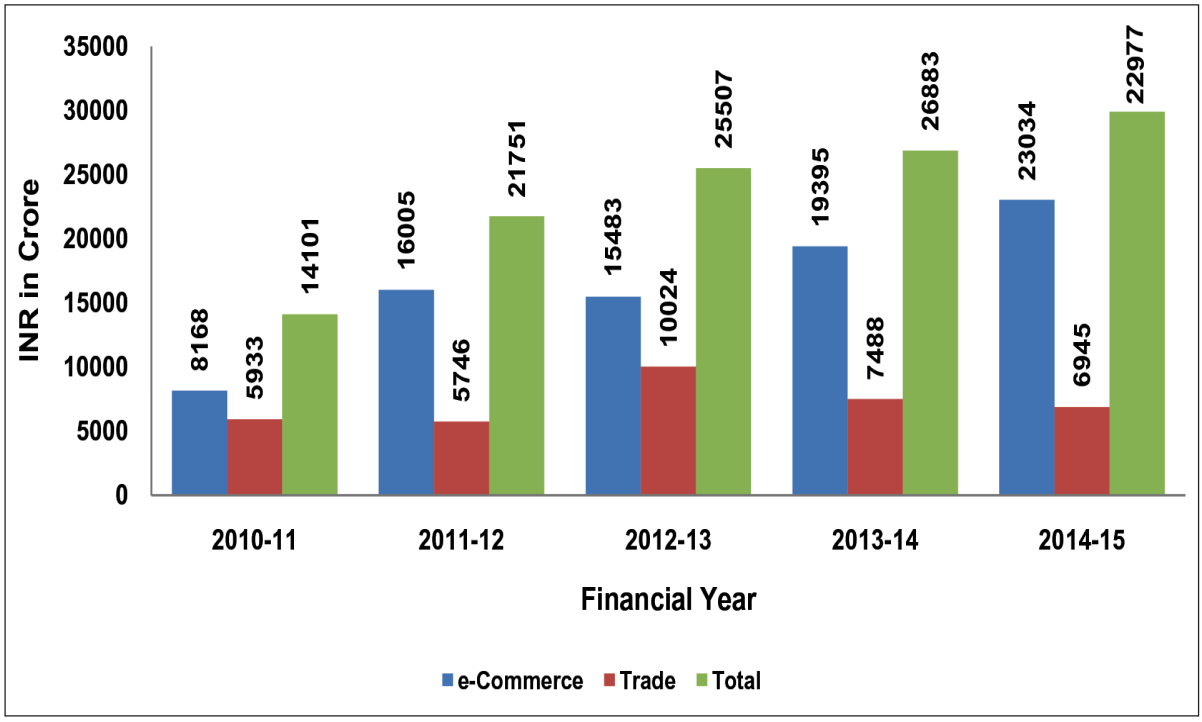

ग) व्यापार

वर्ष 2013-14 में रु. 7,48,815 लाख की तुलना में इस वर्ष व्यापार प्रभाग के व्यवसाय की कुल मात्रा रु. 6,94,521 लाख है। वर्ष 2014-15 के साथ वर्ष 2013-14 का ब्रेक अप नीचे दिया गया है :

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)*	
	2014-15	**2013-14**
निम्नोक्त सामग्री का प्रोक्योरमेंट		
आयातित सामग्रियाँ	1,60,334	314580
स्वदेशी सामग्रियाँ	5,34,187	4,34,235
कुल (ग)	**6,94,521**	**7,48,815**
महायोग (क+ख+ग)	**29,92,255**	**26,88,340**

कंपनी की वित्तीय झलकियाँ

पिछले वर्ष रु. 7,003 लाख की हानि की तुलना में करोपरांत लाभ रु. 9,099 लाख दर्ज किया गया है।

वर्ष 2014-15 एवं 2013-14 के लिए कंपनी के वित्तीय परिणाम नीचे दिए जा रहे हैं :-

(रु. लाख में)

	2014-15	**2013-14**
व्यवसाय की मात्रा	29,92,255	26,88,340
कर पूर्व लाभ (हानि)	13,147	(10,737)
कर	4,048	(3,734)
करोपरांत लाभ	9,099	(7,003)
प्रदत्त पूंजी (इक्विटी)	880	880
आरक्षित	68,543	61,721
लाभांश (%)	207	-
प्रति शेयर आय (रु.) *(अंकित मूल्य रु. 10/-)*	103	-
प्रति कर्मचारी पीबीटी	42.86	

लाभांश

निदेशकों ने 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए 207% की दर से लाभांश का अनुमोदन किया है। "रिकार्ड तिथि" को सदस्यों के रजिस्टर में जिन शेयरधारकों के नाम दर्ज रहेंगे सिर्फ उन्हें ही लाभांश का भुगतान किया जाएगा।

आरक्षित निधि

31 मार्च, 2014 को कंपनी की सामान्य आरक्षित निधि रु. 61,721 लाख थी। वर्ष 2014-15 के लिए लाभांश पर विचार किए जाने के उपरांत लाभ एवं हानि खाते से रु. 6,906 लाख की राशि सामान्य आरक्षित निधि में स्थानांतरण किया गया है तथा 31 मार्च, 2015 को सामान्य आरक्षित निधि रु. 68,543 लाख है।

C) TRADING

The performance of Trading Division shows a total volume of business of ₹ 6,94,521 Lakh, against ₹ 7,48,815 Lakh in 2013-14. Break-up for the year 2014-15 vis-à-vis 2013-14 is as follows :

Business Segment	***Volume of Business (₹ in Lakh)***	
	2014-15	**2013-14**
Procurement of:		
Imported materials	1,60,334	314580
Indigenous materials	5,34,187	4,34,235
Total: (C)	**6,94,521**	**7,48,815**
Grand Total (A+B+C)	**29,92,255**	**26,88,340**

FINANCIAL HIGHLIGHTS OF THE COMPANY

Profit after tax stands at ₹ 9,099 Lakh as against a loss of ₹ 7,003 Lakh last year.

Financial results of the company for the year 2014-15 and 2013-14 are given below : -

(₹ in Lakh)

	2014-15	**2013-14**
Volume of Business	29,92,255	26,88,340
Profit(Loss) before tax	13,147	(10,737)
Tax	4,048	(3,734)
Profit after tax	9,099	(7,003)
Paid up capital (Equity)	880	880
Reserves	68,543	61,721
Dividend (%)	207	–
Earning per share (₹) *(Face value ₹ 10/-)*	103	–
PBT Per Employee	42.86	–

DIVIDEND

The Directors have recommended a dividend of @207% for the year ended 31st March, 2015. Dividend shall be paid to the shareholders whose names will appear in the register of the members on "record date".

RESERVES

General Reserves of the Company stood at ₹ 61,721 Lakh as on 31st March, 2014. During the year ₹ 6,9,06 Lakh have been transferred to General Reserve from profit & Loss Account. After considering dividend for 2014-15 and as on 31st March, 2015 the General Reserves stand at ₹ 68,543 Lakh as on 31st March 2015.

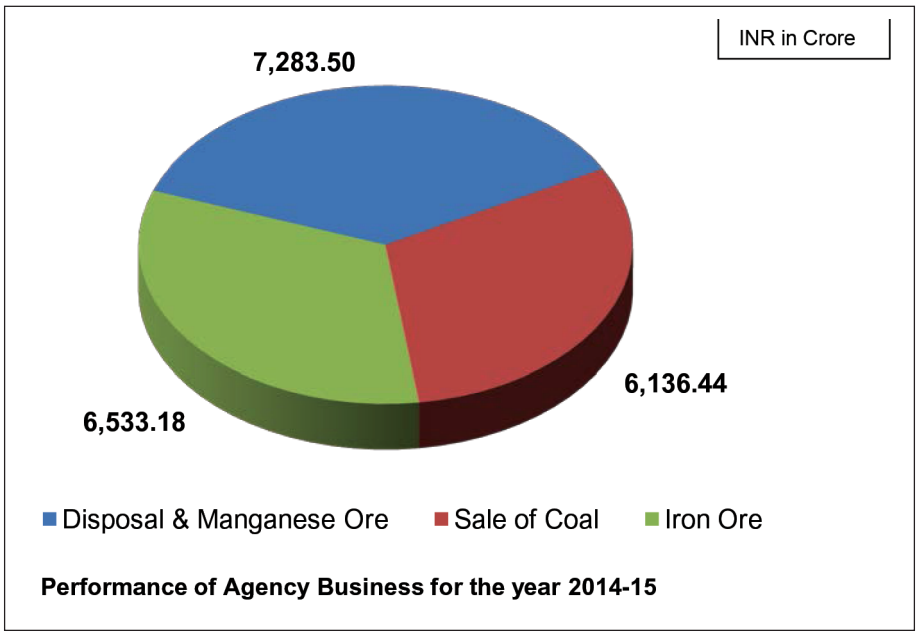

वार्षिक विवरणी का निष्कर्ष

कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम 2014 के नियम 12(I) तथा धारा 134(3)(ए), वित्त वर्ष 2014-15 के लिए एमजीटी-9 प्रारूप में वार्षिक प्रतिवेदन का निष्कर्ष इस प्रतिवेदन के साथ निर्धारित प्रारूप में परिशिष्ट V के रूप में संलग्न किया गया है।

सिस्टम प्रभाग

एमएसटीसी की आईटी संरचना देश में अत्यधिक आधुनिक और ई-कॉमर्स व्यवसाय को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से करने में सक्षम है।

एमएसटीसी का आईटी विभाग नवीनतम शक्तिशाली आईबीएम पावर सीरिज 740 सर्वर से सुसज्जित है, यह अधिक भार वहन करने की क्षमता रखता है और हजारों समवर्ती उपयोगकर्त्ता को सेवा प्रदान कर सकता है। यह सर्वर ऊर्जा के स्तर पर काफी सक्षम है, जिससे ऊर्जा की बचत होगी।

कोलकाता डाटा सेंटर के तर्ज पर समान रूप से मुंबई डिजास्टर रिकवरी साईट की भी स्थापना की गई है।

एमएसटीसी सूचना सुरक्षा के प्रति सचेत है। अधिकतम सुरक्षा प्राप्त करने के लिए फायरवाल, इंस्ट्रूशन प्रिवेंशन सिस्टम (आईपीएस), मैनेज्ड डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (एमएमडीओएस) आदि की स्थापना करके सुरक्षा में कोई कमी नहीं रखी है।

एसएसएल एन्क्रिप्शन

एसएसएल (सिक्योर सॉकेट लेयर) यह वेब सर्वर एवं ब्राउजर के बीच एक गूढ़ संबंध स्थापित करने के लिए एक मानक सुरक्षा तकनीक है। यह लिंक वेब सर्वर एवं ब्राउजरों के बीच आदान-प्रदान होने वाले सभी आंकड़ों को असार्वजनिक एवं मौलिक रखने की सुनिश्चितता प्रदान करती है।

सभी नेटवर्क उपकरणों मसलन, राउटर्स एवं स्वीच सीआईएससीओ से हैं और यह आईपीवी6 में जाने के लिए पूर्णतः तैयार है। सुरक्षा यंत्र जैसे फायरवाल एवं आईपीएस अनाधिकृत अनुचित हस्तक्षेप को रोकने के लिए लगाया गया है।

EXTRACT OF ANNUAL RETURN

In compliance of section 134(3)(a), and Rule 12(1) of the Company's (Management and Administrative) Rules 2014, extract of Annual Report is format MGT-9 for the financial year 2014-15 has been enclosed with this report as Annexure V in the prescribed format.

SYSTEM DIVISION

MSTC's IT infrastructure is by far the most sophisticated in the country to take up ecommerce services in a secure and transparent manner.

MSTC's IT Department is equipped with the latest powerful IBM Power Series 740 Servers having robust processing power and can serve thousands of concurrent users. The servers are highly energy efficient leading to saving of power.

Mumbai Disaster Recovery site is also having a similar set up as in Kolkata Data Center.

MSTC is concerned with information security issues and has left no stone unturned to achieve maximum security by installing Firewall, Intrusion Prevention System (IPS), Managed Distributed denial of Service (MDDOS), etc.

SSL ENCRYPTION :

SSL (**Secure Sockets Layer**) is the standard security technology for establishing an **encrypted** link between a web server and a browser. This link ensures that all data passed between the web server and browsers remain private and integral.

All network equipments like routers, switches are from CISCO and are totally ready for IPV6 migration. Security Appliances like Firewalls, IPS are in place to prevent unauthorized intrusion.

एमएसटीसी आवधिक गहन और कमजोर परीक्षण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

आवधिक एप्लिकेशन सुरक्षा टेस्टिंग प्रणाली एसटीक्यूसी द्वारा संचालित है, जो कि भारत सरकार का आनुषांगिक विभाग है।

एमएसटीसी अपने व्यवसायिक परिचालन पूर्ण समर्पित 100 एमबीपीएस आईएलएल के जरिए करती है एवं विभिन्न प्रदाता से गृहित एक अतिरिक्त आईएलएल कनेक्टिविटी भी है। एमएसटीसी ने अपने क्षेत्रों एवं शाखाओं को वीपीएन के जरिए जोड़ दिया है। यह केंद्रीय आतंरिक एप्लिकेशनों को इसके अतिरिक्त सक्षमता प्रदान किया जिससे सभी द्वारा ज्यादा सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल होगा। यूजर्स सिस्टम को बाहरी स्पैम एवं वायरस से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक यूटीएम की स्थापना की गई है।

एमएसटीसी एक आंतरिक परिपूर्ण ई-प्रोक्योरमेंट समाधान विकसित कर चुकी है। इस ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली में सीवीसी दिशानिर्देशावलियां, आईटी अधिनियम 2000 एवं वर्ष 2008 में किए गए इसके संशोधन का पालन किया गया है, इस सेवा को एसटीक्यूसी द्वारा अभिप्रमाणित किया गया है।

एमएसटीसी ई-कॉमर्स को सीएमएमआई लेवल-3 के रूप में भी अभिप्रमाणित किया गया है एवं प्रशंसा प्राप्त हुई है।

एमएसटीसी सर्वर कोलकाता में वर्ष भर अनवरत कार्यशील है। सिस्टम विभाग वृत्तिक योग्यता से सुसज्जित है, जो कि लगातार अपने ज्ञान को अद्यतन तकनीक के साथ उन्नत करते रहते हैं।

एमएसटीसी का सिस्टम विभाग एसटीक्यूसी द्वारा आईएसओ 27001:2005 से प्रमाणित है।

एमएसटीसी का ई-कॉमर्स विभाग भी आईएसओ 9001:2008 गुणवत्ता प्रमाणित है।

वर्ष 2014-15 में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

एमएसटीसी ने कोयला मंत्रालय के लिए कोयला खदान के आबंटन को सफलतापूर्वक संपादित किया है।

एमएसटीसी ने आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से लगभग 4000 एमटी रेड संडर वुड का भी वैश्विक ई-निविदा-सह-ई-नीलामी बिक्री का भी संचालन किया है। इस नीलामी में भारत के अलावा चीन, जापान, सिंगापुर, दुबई इत्यादि के बोलीदाताओं ने भाग लिया। इस बिक्री प्रक्रिया से आंध्र प्रदेश सरकार को रु. 87,931 लाख अर्जित हुए। इस ई-लेनदेन के लिए भी एप्लीकेशन का विकास आंतरिक रूप से किया गया है।

स्क्रैप की ई-नीलामी के लिए एमएसटीसी ने मोबाइल बोली प्रणाली का विकास किया है, जिसे फरवरी, 2015 में कार्यान्वित किया गया है।

मानव संसाधन विकास (एचआरडी)

एमएसटीसी लिमिटेड ने हमेशा अपनी श्रमशक्ति को अत्यंत महत्त्वपूर्ण संसाधन के रूप में विचार किया है। संगठन से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि होने के कारण कंपनी ने कार्यपालक एवं कनिष्ठ कम्प्यूटर सहायक कैडर दोनों के प्रवेश स्तर पर भर्ती अभियान चलाया है। वर्ष के दौरान 18 कर्मचारियों की नियुक्ति सम्पन्न की गई।

आईटी उन्मुखी कंपनी होने के नाते, एचआरडी के लिए कर्मचारियों का प्रशिक्षण हमेशा प्रमुख वरीयता दी गई है। मानव संसाधान विभाग कार्यपालकों के प्रशिक्षण पर बल दिया है एवं कंपनी के लिए अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें सक्षम बनाया है। इस प्रयास के तहत कंपनी ने भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने के मद्देनजर अधिकारी वर्ग हेतु भविष्य की आगामी योजना तैयार करने के लिए

MSTC ensures security through periodical penetration and vulnerability testing.

Periodical Application Security Testing is conducted by STQC, a Govt. of India Department.

MSTC conducts its business through a dedicated 100 Mbps ILL and has also a standby ILL connectivity taken from a different provider. MSTC has connected its regions and branches through VPN which enabled the centralized internal applications to be used by all in a more secured manner. Moreover an UTM has been installed for protecting the users systems from outside spams and viruses.

MSTC has developed an in-house complete e-Procurement solution. General Financial Rules, CVC guidelines, IT Act 2000 and its Amendment of 2008 have been adhered to in this e-Procurement Application and the said service has been certified by STQC.

MSTC e-Commerce has been appraised upto CMMI Level-3.

MSTC server in Kolkata is manned round-the-clock throughout the year. The Systems dept. is well equipped with qualified professionals whose skills are continuously upgraded with training on latest technology.

MSTC's System Department is ISO 27001:2005 certified from STQC.

MSTC e-commerce division is also ISO 9001:2008 Quality certified.

MAJOR ACHIEVEMENTS IN 2014-15 :

MSTC has successfully executed Coal Mine Allocation for Ministry of Coal.

MSTC also conducted global e-tender-cum-e-auction sale of about 4000 MT Red sander wood on behalf of Andhra Pradesh Govt. Bidders participated from China, Japan, Singapore, Dubai etc besides India. The Government of Andhra Pradesh earned about ₹ 87,931 Lakh as sale proceeds. Application for these e-transactions was also developed in-house.

MSTC has developed Mobile Bidding System for e-auction of scrap which has been implemented in February 2015.

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (HRD)

MSTC Limited has always considered its human resource as the most important resource. With the increase in the number of employees retiring from the organization, the company has undertaken recruitment at the entry level of both executive and Junior Computer Assistant cadres. 18 employees were recruited during the year.

Being an IT oriented company, training of employees has remained a major priority for HRD. Human Resource Department emphasized on training executives and enabling them to take up higher roles in the company. In this endeavor the company had also undertaken a study on Succession

अध्ययन कार्य भी सम्पन्न किया है। कंपनी ने विभिन्न विषयों में 56 कार्यपालकों को प्रशिक्षित किया है। 56 व्यक्तियों में से 12 व्यक्तियों को सामाजिक प्रबंधन विकास कार्यक्रम तथा 25 व्यक्तियों को दक्षता विकास से संबंधित आईटी/ई-कॉमर्स में प्रशिक्षित किया है। वर्ष के दौरान क्रमागत परिकल्पना पर एक अध्ययन शुरू किया गया था एवं जनवरी 2015 में उसे सम्पन्न किया गया। वर्ष 2014-15 के लिए मा.सं. का एमओयू लक्ष्य भी सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया।

कमजोर वर्गों का कल्याण

कंपनी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए समय-समय पर राष्ट्रपति की ओर से जो सरकारी नीतियां और प्रक्रिया की घोषणा आरक्षण, छूट, रियायत इत्यादि के संबंध में की जाती है, उसको आत्मसात की है।

कमजोर वर्गों की नियुक्ति एवं पदोन्नति के मामले में निर्देशों का पालन किया गया है। वर्ष के दौरान गठित सभी विभागीय पदोन्नति कमिटियों एवं चयन कमिटियों (नियुक्ति के मामले में) में एससी/एसटी समुदाय का प्रतिनिधित्व था। वर्ष भर के दौरान नियुक्त किए गए 18 व्यक्तियों में से 5 ओबीसी, 2 एससी व्यक्तियों को लिया गया; 1 पीडब्ल्यूडी (वीएच) व्यक्ति को भी शामिल किया गया।

वर्ष के दौरान कंपनी के 4 एससी, 4 एसटी एवं 3 ओबीसी कर्मचारियों को आंतरिक एवं संस्थानिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों दोनों के लिए प्रायोजित किया गया था।

इसके साथ ही एमएसटीसी एससी/एसटी इम्पलाइज काउंसिल, जिसका प्राथमिक कार्य इस कंपनी के इस वर्ग के कर्मचारियों के हित की रक्षा करना है, को भी सभी तरह का सहयोग और सहायता दी गई।

ऑन लाइन कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रणाली

कार्यनिष्पादन के मूल्यांकन एवं प्रबंधन प्रणाली में पारदर्शिता एवं तत्परता लाने के लिए कंपनी ने कार्यपालक से डीजीएम स्तर तक हेतु अपनी ऑनलाइन कार्यनिष्पादन मूल्यांकन प्रणाली का शुभारम्भ किया है।

नारी सशक्तिकरण

एमएसटीसी फोरम ऑफ वुमेन इन पब्लिक सेक्टर (डब्ल्यूआईपीएस) का आजीवन नैगमिक सदस्य है। वर्ष के दौरान, डब्ल्यूआईपीएस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए कई महिला कर्मचारियों को नामित किया गया था। इसके अलावा, हमारे एक कार्यपालिका डब्ल्यूआईपीएस की अध्यक्षा, पूर्वी क्षेत्र के रूप में पूरी सक्रियता के साथ शामिल है।

एमएसटीसी के सभी कार्यालयों में आंतरिक शिकायत कमिटी का गठन किया गया है। इस तरह के कार्यकलाप से जुड़ी हुई एक बाहरी महिला सदस्य को ऐसे प्रत्येक कार्यालय में कमिटी की सदस्या के रूप में नामांकित किया गया है। सावधिक बैठक के अलावा कमिटियों द्वारा शिकायत निवारण, जागरूकता कार्यक्रमों इत्यादि का भी परिचालन किया जाता है।

कार्यस्थल पर महिला के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 की धारा 22 के अंतर्गत प्रकटीकरण

कार्यस्थल पर महिला के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 की जरूरतों के अनुसार उसके तर्ज पर कंपनी ने यौन

Planning for Officer Category with a view to lay down future road map. The company trained 56 numbers of executives in various topics. Out of 56, 12 persons were trained in Socio Management Development Program and 25 persons were trained in Skill Development relating IT/e-commerce. During the year a study on Successive Planning was undertaken and the same was completed in January, 2015. The MOU targets for HR for the year 2014-15 were successfully achieved.

WELFARE OF WEAKER SECTIONS :

The Company has duly observed the Presidential Directives issued from time to time in regard to reservation, relaxation, concession, etc. for the SC/ST/OBC/PWD candidates pertaining to the policies and procedures of the Government.

The directives in matters concerning recruitment and promotion regarding the weaker sections have been duly complied with. All Departmental Promotion Committees and Selection Committees (in case of recruitment) constituted during the year had representatives of SC/ST community. Out of 18 no of persons recruited during the year, 5 OBC, 2 SC persons were taken, of which 1 belong to PWD (VH).

During the year, 4 SC, 4 ST and 3 OBC employees of the Company were sponsored for training programmes, both In-House and Institutional training programmes.

In addition, all possible cooperation and assistance was provided to the MSTC SC/ST Employees' Council, which function primarily to safeguard the interest of the reserved section of employees of the Company.

ONLINE PERFORMANCE APPRAISAL SYSTEM :

The Company has launched its Online Performance Appraisal System for executives up to DGM level for bringing transparency and promptness to the systems of Performance evaluation and Management.

EMPOWERMENT OF WOMEN :

MSTC is a Corporate Life Member of Forum of Women in Public Sector (WIPS). During the year, several women employees were nominated in the programmes organized by WIPS. Besides, one of our executives is actively involved as the President, ER of WIPS.

Internal Complaints Committees have been constituted in all the offices of MSTC. An external lady member connected with such activities has been nominated as a committee member at each such office. Besides periodical meetings and Complaint redressal, awareness programs, etc. are also conducted by the Committees.

Disclosure under section 22 of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013.

The Company has in place an Anti Sexual Harassment Policy in line with the requirements of The Sexual Harassment of

उत्पीड़न विरोधी नीति तैयार की है। यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए आंतरिक शिकायत कमिटी (आईसीसी) का गठन किया गया है। इस नीति के दायरे में सभी कर्मचारी (स्थाई, अनुबंध, अस्थाई, प्रशिक्षु) आते हैं।

प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के दौरान प्राप्त एवं निवारण की जा चुकी यौन उत्पीड़न शिकायतों का संक्षिप्त ब्यौरा नीचे उल्लेखित है।

* प्राप्त शिकायतों की सं.:1

* निवारण की गई शिकायतों की सं.:1

Women at the Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013. Internal Complaints Committee (ICC) has been set up to redress complaints received regarding sexual harassment. All employees (permanent, contractual, temporary, trainees) are covered under this policy.

The following is a summary of sexual harassment complaints received and disposed off during each calendar year.

* No of complaints received: 1

* No of complaints disposed off: 1

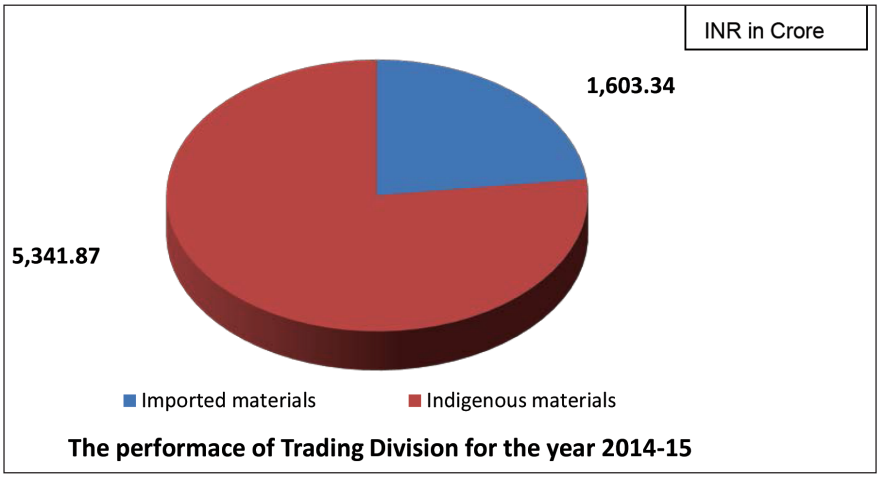

(एचआरएम विभाग)

(HRM DEPARTMENT)

दिनांक 31.03.2014 की स्थिति के अनुसार एमएसटीसी की जनशक्ति

MANPOWER STATISTICS OF MSTC AS ON 31-03-2014

	एचओ HO	ईआरओ ERO	एनआरओ NRO	डब्ल्यूआरओ WRO	एसआरओ SRO	बैंगलोर BLR	वाइजैग VIZ	भोपाल BHPL	बड़ौदा VADODARA	हैदराबाद HYD	BHU	लखनऊ LKNO	कुल TOTAL	1.4.14 को कुल TOTAL AS ON 1.4.14
कार्यपालक/EX	75	9	19	17	8	13	10	2	9	4	2	2	170	170
गैर-कार्यपालक/NEX	49	12	19	13	12	8	12	3	8	0	0	1	137	148

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांगों/भूतपूर्व सैनिक (31.03.2015 की स्थिति)

SC/ST/OBC/PHYSICALLY HANDICAPPED/EX-SERVICEMEN STATUS AS ON 31-03-2015

ग्रुप **GROUP**	कुल **TOTAL**	एससी (%) **SC (%)**	एसटी (%) **ST (%)**	ओबीसी (%) **OBC (%)**	शारीरिक विकलांग (%) **PHYSICALLY HANDICAPPED (%)**	भूतपूर्व सैनिक (%) **EX-SERVICEMEN (%)**
अ/A	170	26(15.29)	11(6.47)	37(21.76)	3(1.76)	शून्य/NIL
ब/B	39	9(23.07)	1(2.56)	शून्य/NIL	2(5.12)	शून्य/NIL
स/C	86	19(22.09)	3(3.48)	17(19.76)	3(3.48)	शून्य/NIL
द/D	12	4(33.33)	1(8.33)	1(8.33)	शून्य/NIL	शून्य/NIL
कुल/TOTAL	**307**	**58(18.89)**	**16(5.21)**	**55(17.91)**	**8(2.6)**	**शून्य/NIL**

31.03.2015 को पुरुष/महिला की स्थिति / MALE/FEMALE AS ON 31-03-2015

	पुरुष / MALE	महिला / FEMALE	कुल / TOTAL
कार्यपालक / EX	139	31	170
गैर-कार्यपालक / NEX	115	22	137
कुल / TOTAL	254	53	307

लोक शिकायत निवारण तंत्र

जन साधारण की शिकायतों की सहूलियत के लिए एक लिंक में पिरोने के लिए एक विशेष कॉरपोरेट पोर्टल **www.mstcindia.co.in** तैयार किया गया है, जहां पर क्रेता/प्रिंसिपल अपनी शिकायतों के दर्ज करा सकते हैं एवं उन शिकायतों में ऑनलाइन निगरानी रखी जाती है। इस पोर्टल के तहत शिकायतकर्त्ताओं को एक यूनिक सिस्टम जनित कोड प्रदान किया जाता है, जिसके जरिए वे अपनी शिकायतें ऑनलाइन पंजीकृत कर सकते हैं उसकी स्थिति से अवगत हो सकते हैं। वे ऑनलाइन पंजीकृत शिकायत की प्रगति को भी देख सकते हैं। कुछ शिकायतें डाक द्वारा भी केंद्रीय शिकायत प्रकोष्ठ में प्राप्त होती है।

विभिन्न प्रकार की शिकायतों की समुचित निगरानी एवं तत्काल निपटान के लिए सभी क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में शिकायत प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। दर्ज की गई किसी भी शिकायतों पर अविलम्ब कार्रवाई की जाती है एवं एक पखवाड़े के अंदर मामले के निपटान/समाधान के लिए सम्पूर्ण प्रयास किए जाते हैं। शिकायतों के तेजी से निपटान के लिए क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से कार्यवाही की जाती है।

GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM

An exclusive corporate portal **www.mstcindia.co.in** has been set up integrating a link to facilitate the Public Grievances, where the Buyer/ Principal can register their grievances and those are monitored online. The portal provides for a unique system generated code for the complainants to lodge and view the progress of the grievances registered online. Some of the grievances are also received at the Central Grievance Cell by post.

For proper monitoring and quick redressal of various grievances, Grievance Cells have been constituted at all Regional and Branch Offices. Any grievances lodged are attended immediately and utmost efforts are taken to settle/ resolve the cases within a fortnight. Regular follow-ups are also done with Regions/ Branches for expediting settlement.

The Grievance Cells meet at periodical intervals to review case which are pending for more than three months. Quarterly and

माननीय विद्युत राज्य मंत्री, श्री पीयुष गोयल, कोयला ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया का उद्घाटन करते हुए। इस अवसर पर श्री अनिल स्वरूप, सचिव (कोयला) भारत सरकार एवं श्री एस. से. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी भी उपस्थित थे

Hon'ble Minister of State for Power, Shri Piyush Goyal, inaugurating coal block auction in presence of Shri Anil Swarup, Secretary (Coal) Govt. of India and Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC

तीन महीने से अधिक समय से लंबित मामले की समीक्षा के लिए शिकायत प्रकोष्ठ आवधिक बैठक करती है। प्राप्त/प्रवृत्त/लंबित शिकायतों की स्थिति पर तिमाही एवं मासिक रिपोर्ट प्रशासनिक मंत्रालय में निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

इसके अलावा मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार कंपनी ने एक सेंट्रलाइज्ड ग्रिवेंस रिड्रेसल मेकानिज्म सिस्टम (सीपीजीआरएमएस) का भी गठन किया है, जिसकी देख-रेख नामित अधिकारियों द्वारा की जाती है। शिकायतों के उचित एवं प्रभावी तरीके ऑनलाइन निपटान के लिए यह मानदंड अपनाया गया है। आज तक, सीपीजीआरएमएस में एक (1) शिकायत दर्ज की गई थी तथा जिससे संबंधित जवाब निर्धारित समय के अंदर उच्च प्राधिकारी को दे दी गई है।

सेवोत्तम शिकायत नागरिक सुविधा की प्रगति संबंधी जानकारी भी हमने हमारी कॉरपोरेट वेबसाइट पर जारी किया है।

कर्मचारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों पर विभागीय प्रधान तथा क्षेत्रीय/शाखा प्रबंधक द्वारा कार्रवाई भी की जाती है। दैनदिन कार्यालय संचालन में कर्मचारियों से प्राप्त विभिन्न औपचारिक/गैर-औपचारिक शिकायतों पर विभागीय प्रधान, स्टॉफ यूनियन जैसे जहां उचित समझा जाता है, से परामर्श करके मानव संसाधन विभाग निपटाता है।

दिनांक 01.04.14 से 31.03.15 तक की अवधि के लिए सार्वजनिक शिकायतों का ब्यौरा

01.04.14 को शेष बची हुई शिकायतें	2014-15 में पंजीकृत शिकायतें	2014-15 में पंजीकृत की गई शिकायतें	01.04.15 को शेष बची हुई शिकायतें
3	24	22	5

सूचना अधिकार अधिनियम 2005

एमएसटीसी ने एक अपील प्राधिकारी, मुख्य सावर्जनिक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) को प्रधान कार्यालय में नामित किया है। प्रत्येक क्षेत्रीय/शाखा कर्यालय में भी एक पीआईओ और एक एपीआईओ आरटीआई के तहत प्राप्त आवेदनों को प्रभावशाली-प्रकमण के लिए नामित किया गया है। सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्राप्त आवेदन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधान के अनुकूल निपटाए गए हैं। सभी तिमाही रिपोर्ट को ऑनलाईन प्रस्तुत किया गया। वर्ष 2014-15 के दौरान कुल 47 आवेदनों/अनुरोधों को प्राप्त किया गया है और उनमें से 46 आवेदनों/अनुरोधों का निष्पादन किया गया है और शेष 01 प्रक्रियाधीन है।

राजभाषा

एमएसटीसी राजभाषा त्रिमास का उद्घाटन 15 सितम्बर 2014 को किया गया था। इस अवधि के दौरान हिंदी प्रतियोगिताएं और कार्यशालाओं का आयोजन प्रधान कार्यालय तथा क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में किया गया। कुल 20 अधिकारीगण/कर्मचारीगण को हिंदी प्रतियोगिताओं एवं हिंदी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जनवरी-मई 2015 सत्र के लिए कुल 05 अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित हिंदी परीक्षाओं के लिए नामित किया गया। तिमाही रिपोर्ट एवं वार्षिक रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गई। हिन्दी रिपोर्ट ऑन-लाइन भी जमा की जा रही है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी) की बैठकों में नियमित रूप उपस्थिति दर्ज की गई है।

Monthly Reports on the status of grievances received/ disposed/pending are being forwarded to the Administrative Ministry in the formats prescribed.

Moreover the company has also instituted a Centralized Grievance Redressal Mechanism System (CPGRMS) as per instructions received from the Ministry which is monitored by the officials nominated for the purpose. These measures provide for a prompt and effective redress of grievances online. Till date, one (1) grievance was registered on CPGRMS and that was subsequently replied to the higher authority within the scheduled time frame.

The development of Sevottam complaint Citizen's Charter has been put in place in our corporate website also.

Grievances received from the employees are taken care of by the HODs' and Regional/ Branch Managers. Moreover the HR Dept. attends to various formal/ informal grievances received from employees in day to day running of the office in consultation with the HOD's and Staff Union, wherever necessary.

Statement of Public Grievances for the period of 01.04.14 to 31.03.15

Grievances outstanding as on 01.04.14	Grievances registered in 2014-15	Grievances redressed in 2014-15	Grievances outstanding as on 01.04.15
3	24	22	5

RIGHT TO INFORMATION ACT 2005

MSTC nominated an Appellate Authority, a Chief Public Information Officer (CPIO) in the Head office. Every region/ branch has PIO and an APIO as well for effectively processing the RTI applications received at various locations of the company. Provisions of Right to Information Act 2005 have been duly complied for processing the applications/requests received under RTI Act 2005. All the quarterly reports have been submitted on-line. During the year 2014-15, total 47 applications/requests have been received and out of those 46 applications/requests have been disposed and remaining 01 is under process.

OFFICIAL LANGUAGE

Rajbhasha Trimas was inaugurated on 15 September 2014. During this period, Hindi competitions and Hindi workshops were organized in Head office and in regional and branch offices. Total 20 officers/employees were awarded prizes for winning in Hindi competitions and for passing Hindi examinations. Total 05 officers/employees were nominated for the Hindi examination conducted by Hindi Teaching Scheme, Official Language Deptt. Govt. of India for January-May 2015 session. Quarterly reports and annual report were sent to the Ministry. Hindi reports are being submitted on-line also. Town Official Language Implementation Committee (TOLIC) meetings were attended regularly.

दिनांक 26.3.2015 को आयोजित इस्पात मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वयन कमिटी (ओएलआईसी) बैठक में शामिल हुए। ओएलआईसी की बैठक की व्यवस्था कार्यालय में भी की गई। राजभाषा अधिनियम के अनुसार प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय एवं शाखा कार्यालयों में निरीक्षण किया गया था। मंत्रालय द्वारा निरीक्षण के समय सभी कागजात उपलब्ध कराए गए। 10 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन प्रदान किया गया था।

एमएसटीसी, प्रधान कार्यालय ने डब्ल्यूआरओ (मुम्बई), एनआरओ (नई दिल्ली) तथा शाखा कार्यालय (बंगलोर) का निरीक्षण किया। राजभाषा कार्यान्वयन हेतु निगरानी की गई। समय-समय पर राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के कार्यान्वयन के लिए परिपत्र जारी किए गए। प्रधान कार्यालय के विभागों तथा पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण किया गया था।

राजाभाषा विभाग के आईएसओ 9001:2008 प्रमाण-पत्र का नवीकरण किया गया।

प्रधान कार्यालय एवं क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों के कम्प्यूटरों में यूनिकोड स्थापित किया गया।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अधीन जारी कागजातों को हिंदी में अनुवाद किया गया। आवश्यकतानुसार अंग्रेजी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध कराया जाता है। वार्षिक प्रतिवेदन तथा एमओयू का हिंदी संस्करण भी प्रस्तुत किया गया। राजभाषा अधिनियम का अनुपालन किया गया। इस्पात मंत्रालय एवं इसकी हिंदी सलाहकार समिति राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन के संबंध में अपने दिशा-निर्देश हमेशा प्रदान किए।

सतर्कता

एमएसटीसी लिमिटेड का सतर्कता विभाग कंपनी के सभी क्षेत्रों के कार्यकलाप के परिचालन में निष्पक्षता, ईमानदारी एवं कुशलता सुनिश्चित करने के लिए भ्रष्टाचार रोधी कार्यप्रणाली की संस्थापन के लिए पूरी तरह से प्रयासरत है। व्यवसायिक लेनदेन में मानव हस्तक्षेप कम करने के उद्देश्य से भ्रष्टाचार के क्षेत्र की पहचान के लिए इसकी ढांचा को कार्यकारी बनाया गया है। इसके लिए, कर्मचारियों में नैतिक औचित्य तथा नीतिपरक व्यवसायिक व्यवहार कायम रखने के लिए मुख्य सतर्कता आयोग के दिशा निर्देशों के अधीन भ्रष्टाचार पर शून्य सहनशीलता की नीति कठोर रूप से अपनाई गई है। एमएसटीसी सतर्कता विभाग आईएसओ

Official Language Implementation Committee (OLIC) meeting of Ministry of Steel held on 26.3.2015 was attended. OLIC meetings were arranged in the office. As per the Official Language Act, inspection was done in Head office and regional and branch offices. All materials for inspection were made available at the time of inspection done by the Ministry. Incentive was provided to 10 officers and employees.

MSTC, Head Office inspected WRO(Mumbai), NRO(New Delhi) and branch office(Bangalore). Monitoring for implementation of Official Language was done. Circular for implementation of section 3(3) of Official Language Act 1963 was issued from time to time. Departments of Head office and Eastern Regional office were inspected.

Re-certification of ISO 9001:2008 of Official Language Department was done.

Unicode was installed in the computers of head office and regional/ branch offices.

Documents coming under section 3(3) of Official Language Act were translated in Hindi. Translations from English to Hindi and vice versa have been provided as and when required. Hindi version of Annual report and MOU were also submitted. Official Language Act has been complied with. Ministry of Steel and its Hindi Salahkar Samity continuously provided their guidance about implementation of Official Language Act.

VIGILANCE

The Vigilance Department of MSTC Limited has been striving hard to institutionalize the anti-corruption practices to ensure fairness, integrity and efficiency in all the fields of activities of the Company. Its' set-up has been operative to identify the zone of corruption in order to diminish the human intervention in the business transactions. For this, the Policy of Zero Tolerance on Corruption under the Guidelines of Chief Vigilance Commission is strictly followed so as .to uphold the ethical business practices vis-à-vis moral uprightness amongst the personnel. MSTC Vigilance Department complies with the

श्री अनिल स्वरूप, सचिव (कोयला) भारत सरकार संवाद माध्यम के साथ कोलया ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया के बारे में परिचर्चा करते हुए
Shri Anil Swarup, Secretary (Coal) Govt. of India explaining the coal block auction procedure to the media

9001:2008 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का अनुपालन करता है तथा लाभदायक तकनीक के इस्तेमाल द्वारा भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए प्रभावशाली सुरक्षात्मक मानदंड अपनाने तथा संस्थान के कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ाने के प्रति बल दिया गया।

एमएसटीसी का व्यवसायिक क्रियाकलापों का परिचालन अपनी निजी आईटी ढांचा यानी ई-नीलामी, ई-रिवर्स नीलामी एवं ई-प्रोक्योरमेंट का ई-कॉमर्स परिचालन द्वारा किया जाता है, जिसे मानक जांच एवं गुणवत्ता अभिप्राणन (एसटीक्यूसी) प्रमाणित वेब पोर्टल के जरिए किया जाता है, जिसमें केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशानिर्देश अनुपालन किया जाता है। कारटेल फारमेशन को रोकने के लिए पारदर्शिता तथा निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु इसके सॉफ्टवेयर में कई तरह के सन्निहित प्रावधान हैं। ई-नीलामी, ई-बिक्री, ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली को इस तरह से अभिकल्पित की गई है कि एक नीलामी के दौरान बिक्रेता, एमएसटीसी के कर्मचारीगण, बोलीदातागण तथा अन्य कोई भी व्यक्ति अपने प्रतियोगी बोलीदातादाओं के विवरण को नहीं देख पाएंगे।

वर्ष के दौरान, एमएसटीसी का सतर्कता विभाग ने प्रतिष्ठान के कार्यकलापों में सुधार लाने के लिए कई तरह के कदम उठाएं हैं। प्राप्त हुई पंद्रह शिकायतों के खिलाफ कार्यवाही की गई एवं प्रणालीगत सुधार के लिए संबंधित छोर से आवश्यक सलाह दी गई। सीवीसी/इस्पात मंत्रालय (एमओएस) द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर सतर्कता विभाग द्वारा उठाए गए कदमों में बिल ट्रैकिंग सिस्टम का कार्यान्वयन शामिल है, जिसका इस्तेमाल पोर्टल पर ठेकेदारों की लंबित बिलों के दर्शाने, एमएसटीसी की निजी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के जरिए सभी विभागों एवं शाखाओं में रु. 50,000 से अधिक की खरीददारी, नियुक्ति के नियमों की समीक्षा, एपीएआर के सम्पूर्ण प्रकटीकरण का कार्यान्वयन, एपीएआर की ऑनलाइन लेखन, एपीएआर की प्रतिकूल रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में अभ्यावेदन करने का अवसर, एक प्रतिष्ठान में जोखिम की रूपरेखा तैयार करने, पारदर्शिता सूचकांक के घटकों को तैयार करने में किया जा सकता है। वर्ष 2014-15 के

ISO 9001-2008 Quality Management System wherein the emphasis has been put to have in place the effective preventive measures through the use of leveraging technology so that the transparency and accountability in the functioning of the Company is ensured.

The business activities of MSTC are run by its own IT Infrastructure viz. e-Commerce operations of e-auction, e-reverse auction and e-Procurement operations, which are carried out by Standardisation Testing and Quality Certification (STQC) certified Web Portal in compliance with the Central Vigilance Commission (CVC) Guidelines. Its software has several in-built provisions which prevent cartel formation and ensure transparency and fairness. The system of e-auction. e-sale, e-procurement is designed in such a way that during the run of e-auction no one like the Seller, Staff of MSTC, the Bidder and so on is in any way able to view the details of the competing bidders.

During the year, MSTC Vigilance Department has taken various initiatives to improve the functioning of activities in the organization. The actions, against as many as fifteen numbers of complaints received, have been taken and necessary advices for systemic improvement have been intimated to the respective ends. On the basis of the directives issued by CVC/Ministry of Steel (MOS), the initiatives undertaken by Vigilance Division include implementation of Bill Tracking System which can be utilized for the display of pending bills of contractors on the portal, professing purchases above ₹ 50,000, in all departments & branches through MSTC's own e-Procurement Portal, review of recruitment rules, implementation of full disclosure of Annual Performance Appraisal Report (APAR), online writing of APAR, opportunity

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री ए. के. त्रिपाठी एमएसटीसी प्रधान कार्यालय में माननीय इस्पात एवं खदान राज्यमंत्री श्री विष्णु देव साई के समक्ष प्रस्तुतिकरण देते हुए

CMD, Shri S. K. Tripathi making a presentation before Hon'ble Minister of State for Steel & Mines, Shri Vishnu Deo Sai on his visit to MSTC head office

श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक सतर्कता अध्ययन परिवृत्त, हैदराबाद द्वारा आयोजित सम्मेलन में परिचर्चा करते हुए परिलक्षित
Shri S. K. Tripathi, CMD, speaking at a conference organised by Vigilance Study Circle, Hyderabad

दौरान दस औचक एवं नियमित निरीक्षण किया गया। ऐसे निरीक्षण का मुख्य केंद्र बिंदू है भ्रष्टाचार के संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करना, प्रणाली/प्रक्रिया को सरल बनाना तथा परिचर्चा के जरिए कर्मचारियों में भ्रष्टाचार रोधी मुद्दों/सतर्कता पर जागरूकता फैलाना है।

सेवा वितरण प्रणाली को ज्यादा पारदर्शी बनाने के लिए एमएसटीसी सीपीजीआरएमएस (सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रिवांस रीड्रेसल एण्ड मोनिटरिंग सिस्टम) लिंक प्रदान करती है एवं सार्वजनिक प्रोक्योरमेंट में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए इंटिग्रिटी पैक्ट कार्यान्वित किया गया है। एमएसटीसी की व्हीसल ब्लोअर पॉलिसी बेहतर विश्वास हासिल करने के लिए सभी कर्मचारियों के लिए अवसर प्रदान करता है। प्रशासन में नागरिक (सेवोत्तम) पहुंचने तथा सीधे सीवीओ तक शिकायत करने के लिए एक सतर्कता पेज भी दर्शाया गया है। सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई), भारत सरकार के निगमित अभिशासन दिशानिर्देशों का अनुपालन किया गया एवं बोर्ड के सभी सदस्यों एवं नामित सेवा प्रबंधक के लिए आचार संहिता का उल्लेख किया गया है। व्यवसायिक लेनदेन के विश्लेषण तथा एमएसटीसी के वर्तमान कार्यकलापों को ध्यान में रखते हुए प्रतिष्ठान का एमएसटीसी जोखिम रूपरेखा तैयार किया जा रहा है। एमएसटीसी द्वारा पारदर्शिता अभ्यास धरातल तक पहुंचने के लिए पारदर्शिता सूचकांक में संशोधन किया जा रहा है।

केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली के दिशा निर्देशों के अनुसार एमएसटीसी सतर्कता विभाग ने दिनांक 27.10.2014 से 01.11.2014 तक एमएसटीसी के विभिन्न कार्यालयों में "सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया।" इस अवसर पर "भ्रष्टाचार से मुकाबला-तकनीक की शक्ति" विषय पर अखिल भारतीय आधार पर कर्मचारियों के बीच निबंध एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का

to make representation in response to the adverse report in APARs, devising risk profile of an organization, framing the constituents of transparency index etc. During the year 2014-15, ten surprise and routine inspections have been carried out. The major focus of such inspections has been on identifying vulnerable areas of corruption, streamlining of system/procedure and awareness on vigilance/anti-corruption issues amongst the employees through interactions.

MSTC provides a link to CPGRMS (Centralized Public Grievance Redressal and Monitoring System) to make the service delivery system more transparent. Integrity Pact has been implemented to prevent corruption in public procurement. The Whistle Blower Policy of MSTC provides opportunity to all employees for access in good faith. Citizens in Administration (Sevottam) and also a Vigilance page for lodging complaints directly to CVO. Corporate Governance Guidelines by Department of Public Enterprises (DPE), Govt. of India, have been complied with and Code of Conduct for all Board members and designated service management has been laid down. MSTC Risk Profile of the organization is being prepared keeping in mind the present activities of MSTC and analysis of the business transactions. Transparency Index is being revised for accessing the degree of transparency practiced by MSTC.

MSTC Vigilance Department organized "Vigilance Awareness Week" in various offices of MSTC from 27.10.2014 to 01.11.2014 as per the directives received from the Central Vigilance Commission, New Delhi. To mark the occasion, MSTC Vigilance conducted Essay Competition and Slogan